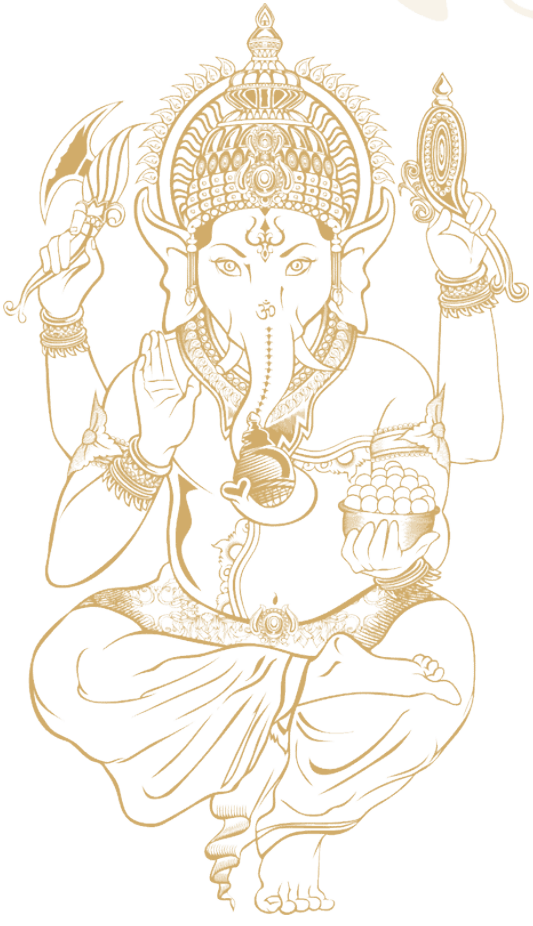

Mr. Raja seth

06 Jul 1958

08:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121247603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/07/1958**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	07:33:27 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:31 घंटे
साम्पातिक काल	03:03:14 घंटे
सूर्योदय	05:28:37 घंटे
सूर्यास्त	19:22:42 घंटे
दिनमान	13:54:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:16:05 मिथुन
लग्न के अंश	28:11:06 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सूरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:11:06	309:32:52	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मिथु	20:16:05	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	18:32:16	12:10:42	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मीन	26:48:14	00:40:18	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			कर्क	08:43:13	01:44:35	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	28:54:23	00:02:59	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	17:32:01	01:11:05	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	स्वराशि
शनि	व		वृश्चि	27:34:18	00:03:54	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	04:39:51	00:04:58	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	04:39:51	00:04:58	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			कर्क	16:54:26	00:03:24	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
नेप	व		तुला	08:44:38	00:00:16	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
प्लूटो			सिंह	07:12:57	00:01:28	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
दशम भाव			मेष	24:59:28	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:16:48

लग्न-चलित

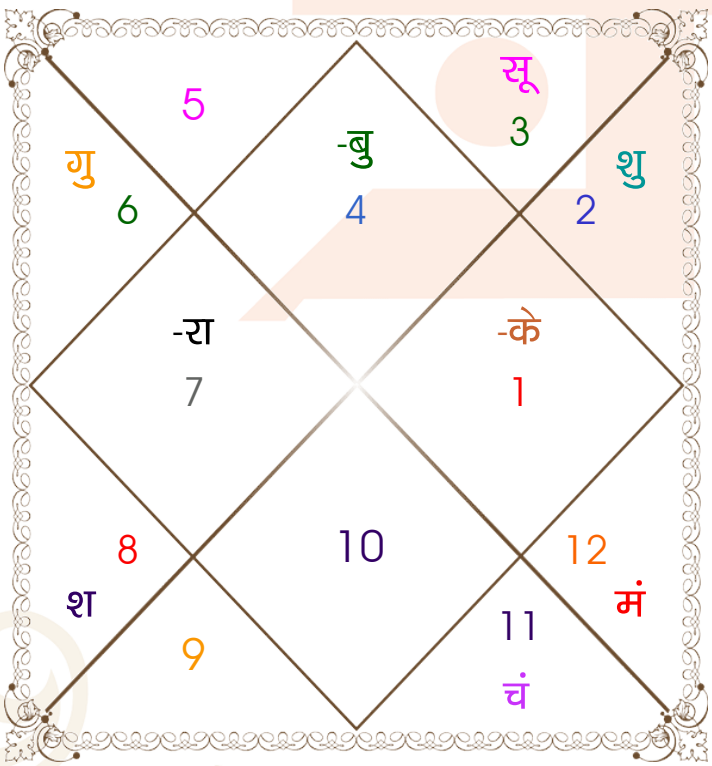

चन्द्र कुंडली

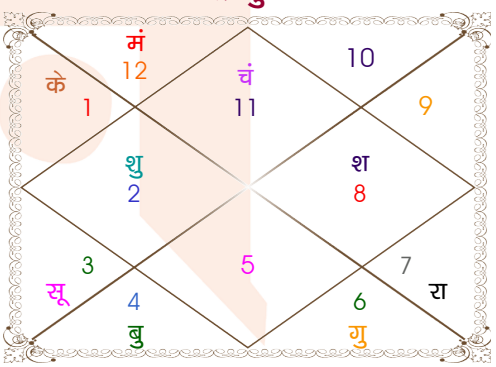

नवमांश कुंडली

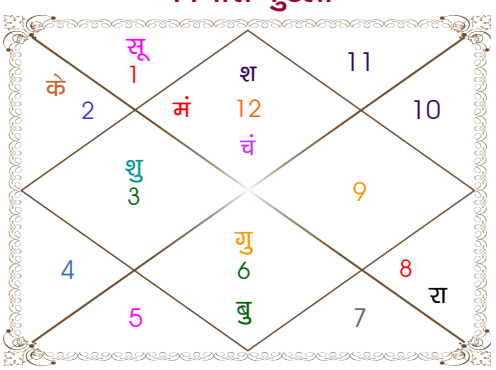

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 11 मास 20 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/07/1958		26/06/1960		26/06/1976		27/06/1995		26/06/2012	
26/06/1960		26/06/1976		27/06/1995		26/06/2012		27/06/2019	
	00/00/0000	गुरु	14/08/1962	शनि	30/06/1979	बुध	22/11/1997	केतु	22/11/2012
	00/00/0000	शनि	24/02/1965	बुध	09/03/1982	केतु	19/11/1998	शुक्र	22/01/2014
	00/00/0000	बुध	02/06/1967	केतु	18/04/1983	शुक्र	19/09/2001	सूर्य	30/05/2014
	00/00/0000	केतु	08/05/1968	शुक्र	17/06/1986	सूर्य	27/07/2002	चंद्र	29/12/2014
	00/00/0000	शुक्र	07/01/1971	सूर्य	30/05/1987	चंद्र	26/12/2003	मंगल	27/05/2015
	00/00/0000	सूर्य	26/10/1971	चंद्र	29/12/1988	मंगल	22/12/2004	राहु	14/06/2016
	06/07/1958	चंद्र	24/02/1973	मंगल	06/02/1990	राहु	12/07/2007	गुरु	21/05/2017
चंद्र	08/06/1959	मंगल	31/01/1974	राहु	13/12/1992	गुरु	17/10/2009	शनि	29/06/2018
मंगल	26/06/1960	राहु	26/06/1976	गुरु	27/06/1995	शनि	26/06/2012	बुध	27/06/2019

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/06/2019		27/06/2039		26/06/2045		27/06/2055		26/06/2062	
27/06/2039		26/06/2045		27/06/2055		26/06/2062		00/00/0000	
शुक्र	26/10/2022	सूर्य	14/10/2039	चंद्र	26/04/2046	मंगल	23/11/2055	राहु	09/03/2065
सूर्य	26/10/2023	चंद्र	14/04/2040	मंगल	26/11/2046	राहु	10/12/2056	गुरु	02/08/2067
चंद्र	26/06/2025	मंगल	20/08/2040	राहु	26/05/2048	गुरु	16/11/2057	शनि	08/06/2070
मंगल	26/08/2026	राहु	14/07/2041	गुरु	25/09/2049	शनि	26/12/2058	बुध	25/12/2072
राहु	26/08/2029	गुरु	03/05/2042	शनि	27/04/2051	बुध	23/12/2059	केतु	13/01/2074
गुरु	26/04/2032	शनि	15/04/2043	बुध	25/09/2052	केतु	20/05/2060	शुक्र	13/01/2077
शनि	27/06/2035	बुध	19/02/2044	केतु	26/04/2053	शुक्र	20/07/2061	सूर्य	07/12/2077
बुध	26/04/2038	केतु	26/06/2044	शुक्र	26/12/2054	सूर्य	25/11/2061	चंद्र	06/07/2078
केतु	27/06/2039	शुक्र	26/06/2045	सूर्य	27/06/2055	चंद्र	26/06/2062		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 11 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।